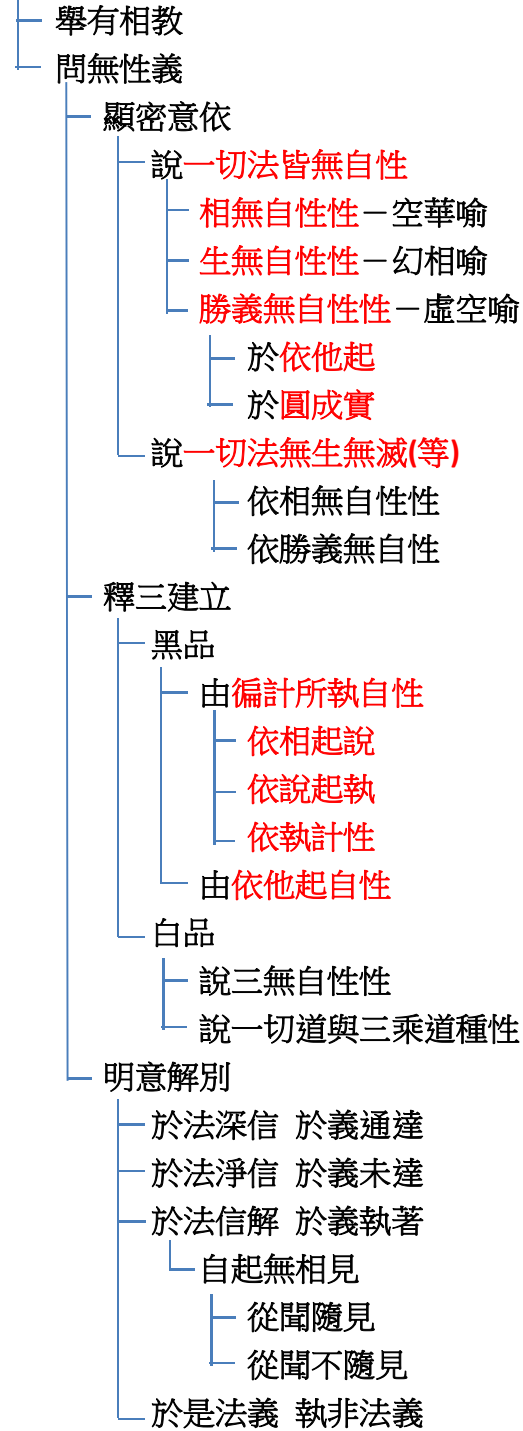


諸法無自性相



|              |   |           |   |           |   |       |   |
|--------------|---|-----------|---|-----------|---|-------|---|
| 上品上根.....    | ○ | .....     | ○ | .....     | × |       |   |
| 清淨諸障.....    | ○ | .....     | ○ | .....     | × |       |   |
| 成熟相續.....    | ○ | .....     | ○ | .....     | × |       |   |
| 多修勝解.....    | ○ | .....     | ○ | .....     | × |       |   |
| 福智資量.....    | × | .....     | × | .....     | × |       |   |
| 是質直類.....    | ○ | .....     | × | .....     | × |       |   |
| 思擇廢立.....    | × | .....     | ○ | .....     | ○ |       |   |
| 安立自見取.....   | × | .....     | ○ | .....     | ○ |       |   |
| 如實解了.....    | × | .....     | × | .....     | × |       |   |
| 於法           | └ | 勝解.....   | ○ | .....     | ○ | ..... | × |
|              |   | 淨信.....   | ○ | .....     | ○ | ..... | × |
| 於義—以無倒慧..... |   | 自輕而住..... |   | 隨言執著..... |   | 撥為虛偽  |   |
| 如實通達         |   |           |   |           |   |       |   |
| 依此善通達修習..... | × | .....     | × | .....     | × |       |   |
| 速疾能證.....    | × | .....     | × | .....     | × |       |   |
| 深生淨信.....    | × | .....     | × | .....     | × |       |   |

1. 於法信解 於義通達
2. 於法淨信 於義未解
3. 於法信解 於義執著
4. 於法義執為非法義

- 第一時 └ 唯為發趣 聲聞乘者  
└ 以四諦相 說無量門
- 第二時 └ 唯發趣修大乘者  
└ 依「一切法無自性」  
以隱密相說
- 第三時 └ 普為發趣一切乘者  
└ 依「一切法無自性」無自性性  
以顯了相說

若於分別所行偏計所執相

所依行相(依他起相)中

假名安立以為色蘊(受想行識蘊)

- 或自性相—質礙 觸對變壞方所示現
- 或差別相—顯色 形色 表色等

假名安立為色蘊

- 生
- 滅
- 永斷
- 遍知

- 或自性相
- 或差別相

是名偏計所執相

世尊依此施設諸法相無自性性

若即分別所行偏計所執相所依行相是名依他起相

世尊依此施設生無自性性

及一分勝義無自性性

如是我今領解世尊所說義者

若即於此分別所行偏計所執相 所依行相中

由偏計所執相不成實故 即此自性無自性性

法無我真如清淨所緣 是名圓成實相 世尊依此施設一分 勝義無自性性